गाँधी भवन

दिल्ली विश्वविद्यालय

मातृभाषा दिवस - २१.२.२०१७

रिपोर्ट

गाँधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय ने मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक २१.२.२०१७ को महात्मा गाँधी द्वारा लिखित पुस्तक 'हिन्द स्वराज' के १८वें अध्याय 'शिक्षा' का पठन किया। मूल रचना १९०९ में गुजराती में थी। यह लगभग तीस हजार शब्दों की लघु पुस्तिका है जिसे गाँधीजी ने अपनी इंग्लैण्ड से दक्षिण अफ्रीका की यात्रा के समय पानी के जहाज में लिखी थी।

इस पठन के दौरान प्रोफ़ेसर अनीता शर्मा, निर्देशिका (मानद), गाँधी भवन, नें वर्तमान शिक्षा के संदर्भ में कई महत्वपूर्ण जानकारियाँ पाठकों के साथ साझा की। दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी कार्यान्वयन निदेशालय द्वारा हिंदी-भाषी छात्रों के लिए किये जा रहे कार्यों का जिक्र किया गया। उन्होंने छात्रों को सम्मान एवं आत्मविश्वास से भरकर हिंदी भाषा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने चीनी एवं जापानी नागरिकों का उदहारण प्रस्तुत किया जिन्हें अपनी भाषा के प्रति बेहद लगाव है।

उपस्थित छात्रों नें भी अपने-अपने विचार खुलकर प्रकट किये, जिसके माध्यम से कई महत्वपूर्ण विचार सामने आये जो मातृभाषा के विकास के लिए आवश्यक हैं। चर्चा के दौरान यह भी उभर कर आया कि विश्वविद्यालय के शिक्षकों को भी हिंदी भाषी छात्रों को और अधिक प्रोत्साहित करना चाहिए। अंत में अपनी वाणी को विराम देते हुए प्रोफ़ेसर अनीता शर्मा नें उपस्थित प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।

इस दिन तीन-दिवसीय खादी वस्तुओं की प्रदर्शनी एवं विक्रय काउंटर का आरम्भ खादी भंडार, दिल्ली द्वारा किया गया।

प्रोफ़ेसर अनीता शर्मा
निर्देशिका (मानद)